प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

19 फरवरी, 2015

पुस्तकें हैं हमारी सबसे प्रिय मित्र

बच्चों में सृजनात्मकता तथा पढ़ने की रुचि को बढ़ावा देने के लिए हॉल सं. 7 में लगे बाल मंडप में बच्चों को प्रख्यात लेखकों तथा चित्रकारों, आबिद सुरती, शरद शर्मा, मधु पंत तथा उषा वेंकटरमन आदि के साथ विभिन्न पैनल चर्चाएँ, कार्यशालाएँ, कहानी–वाचन सत्र तथा परस्पर संवादात्मक सत्र में भाग लेने के अवसर मिल रहे हैं।

आज बाल मंडप में अनेक बाल गतिविधियों का आयोजन हुआ जिसमें सबसे पहले मुंबई की प्रसिद्ध कथावाचक, सुश्री उषा वेंकटरमन द्वारा कथावाचन सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर जेआरएन राजस्थान विद्यापीठ के प्रो. सारंगदेवोत ने कहा, ''पुस्तकें हमारी सबसे प्रिय मित्र होती हैं। ये हमें ज्ञान प्रदान करती हैं।'' इन्होंने यह भी कहा कि आज महात्मा गाँधी तथा महात्मा बुद्ध जैसे महान व्यक्तित्वों के सिद्धांतों को पुस्तकों के माध्यम से ही जाना जा रहा है। यहाँ उपस्थित कथावाचक उषा वेंकटरमन ने कहा कि कहानियों के जरिये बच्चे बहुत सी नई चीज़ों को सीखते हैं। इस अवसर पर एनबीटी के संयुक्त निदेशक, श्री हेमंत श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्वागत किया।

कथावाचन का दूसरा सत्र वैदिक लाइफ मिशन के डॉ. देव शमा वेदालंकार द्वारा संचालित किया गया। इन्होंने प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथ, उपनिषद के पात्रों, सत्यकाम तथा नचिकेता की कहानियाँ बच्चों को सुनाईं। उन्होंने बताया कि आज के समय में इन ग्रंथों की कहानियाँ बहुत ही प्रासंगिक हैं तथा हम इनसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। इस कार्यक्रम में बच्चों से इन कहानियों के प्रति उनके विचार भी पूछे गए। इसी मंच पर एनबीटी द्वारा मोदो मिओ के सहयोग से थिएटर पर आधारित कहानी वाचन कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों को स्वयं कहानियों की रचना कर उसमें पात्रों का निर्माण करना सिखाया गया।

साहित्यिक हलचल

एफ्रो एशियन बुक काउंसिल (एएबीसी) एवं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रगति मैदान के हॉल नं. 8 में 'ए डिजिटल लाइब्रेरी' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव, दम्मु रवि उपस्थित थे तथा विमर्शकर्ताओं में एफ्रो एशियन बुक काउंसिल के अध्यक्ष, श्री विजय थापा तथा निदेशक, श्री प्रणव गुप्ता उपस्थित थे। यहाँ उपस्थित वक्ताओं ने हमारे देश की पुस्तकालय प्रणाली के संबंध में बातचीत की तथा पुस्तकालयों को डिजिटल करने में किए जाने वाले प्रयासों पर चर्चा की।

आज मेले में हॉल नं. 11 के ऑथर्स कॉर्नर (रिफलेक्शंस) पर 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस' द्वारा ट्रांसजेंडर कार्यकर्ता तथा फिल्मी कलाकार, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी की पुस्तक 'मी हिजड़ा, मी लक्ष्मी' का लोकार्पण किया गया। इस कार्यक्रम में यूनाइटेड नेशंस प्रोग्राम ऑन एचआईवी एण्ड एड्स (UNAIDS) के निदेशक, स्टीव क्रॉस उपस्थित थे। पुस्तक की लेखिका, लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने बताया कि उनकी यह आत्मकथा सबसे पहले मराठी भाषा में प्रकाशित की गई, उसके पश्चात गुजराती तथा अब यह पुस्तक अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध है जिसका आज लोकार्पण किया गया। इस पुस्तक में लक्ष्मी के बचपन से अब तक के सफर का वर्णन किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा, ''इस पुस्तक के माध्यम से मैं अपने समाज के लिए प्रेम और सम्मान पाना चाहती हूँ।''

थीम मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा मिज़ोरम के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी, जिको ज़ोरेमसंग से बातचीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। मिजोरम द्वारा फुटबॉल में प्रथम संतोष ट्रॉफी जीतने का श्रेय इनको ही जाता है। इस कार्यक्रम में जिको के साथ मिज़ोरम की लैलिआनफेली पछाउ ने बातचीत की। यहाँ उपस्थित श्रोताओं ने इनसे विभिन्न प्रश्न किए। इस अवसर पर इन्होंने नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में आने पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि "हालाँकि क्रिकेट की तुलना में अभी इस खेल का रोमांच लोगों में कम है परंतु अब विभिन्न फुटबॉल क्लब खुलने के माध्यम से युवाओं तथा बच्चों में भी इस खेल के प्रति रुचि बढ़ रही है।''

आज थीम मंडप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'आख्यानों का विनिमय : पूर्वोत्तर के स्त्री स्वर' विषय पर पैनल चर्चा आयोजित की गई। जिसका संचालन पूर्वोत्तर की प्रसिद्ध पत्रकार एवं लेखिका, ममांग दई द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में पैनलिस्ट थे–कोहिमा से आई लेखिका, डॉ. एविनिओ, मिजोरम यूनिवर्सिटी में अँग्रेज़ी विभाग की अध्यापक, डॉ. चैरी एल तथा असमिया साहित्य से जुड़ी प्रसिद्ध लेखिका, साहित्य अकादेमी पुरस्कार से पुरस्कृत, डॉ. अरूप पतंगिया भी उपस्थित थी। इस अवसर पर डॉ. एविनिओ ने कहा कि पूर्वोत्तर के मौखिक साहित्य को लिखित रूप देने की आवश्यकता है जिससे हम इस समृद्ध साहित्य एवं सभ्यता को आगे ले जा सकें।

इवेंट्स कॉर्नर

आज इवेंट्स कॉर्नर में विश्व प्रसिद्ध कलाकार, श्री सुकुमार बोस की पुस्तक 'द आर्ट ऑफ सुकुमार बोस' का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम का आयोजन नेशनल बुक डवलपमेंट काउंसिल, सिंगापुर तथा आईएसईएएस प्रकाशन हाउस द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. देव एन. पाठक द्वारा की गई। इस अवसर पर सिंगापुर के उच्चायुक्त, श्री लिम चुआन कुआन भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा ''हमें भारत तथा सिंगापुर संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने पर प्रसन्नता है तथा इस अवसर पर इस प्रकार की पुस्तक का लोकार्पण निश्चित रूप से दोनों देशों के परस्पर संबंधों को सुदृढ़ करने में मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में प्रो. कमल बोस, श्री केशव मलिक, श्री पुरुषोत्तम तथा डॉ. नुज़हत काज़मी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

हॉल नं. 7 ए प्रथम तल पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'मुशायरा–उर्दू शायरी की एक शाम' कार्यक्रम का आयोजन एनसीपीयूएल के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर उर्दू के अनेक शायर तथा कवि उपस्थित थे जिन्होंने अपनी शायरी से पूरा माहौल शायराना कर दिया। यहाँ उपस्थित कवियों में शामिल थे–गुलज़ार देहलवी, इकबाल, शदव, सैयद जाहिर, अली भारती, तहसीन मुन्नवर, माज़िद देवबंदी,

अलीना आदि। इस कार्यक्रम में 'मैं कौन हूँ', 'टी.वी. न्यूज़ प्रोडक्शन', 'दादा साहेब फाल्के', 'एक गौरैया का गिरना' पुस्तकों का विमोचन भी हुआ, जो नेशनल काउंसिल फॉर प्रमोशन ऑफ उर्दू लेंग्वेज के उपाध्यक्ष, पद्मश्री, मुजफ्फर हुसैन, एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर; प्रो. ख्वाजा मोहम्मद इकरामुद्दीन द्वारा किया गया।

हॉल नं. 12 में बने लेखक मंच पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा 'सामाजिक परिवर्तन में नाटक और रंगमंच की भूमिका' विषय पर चर्चा आयोजित की गई जिसमें अस्मिता ग्रुप के श्री अरविंद गौड, प्रताप सहगल, रवि तनेजा, राम जी बाली उपस्थित थे।